भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 980 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 5 दिसंबर, 2025/14 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है

भारत को वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में परिवर्तित करना

† 980. श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चेन्नई अगले कुछ वर्षों में क्रूज हब और मलेशिया, थाईलैंड, अंडमान, पुरी, कोलकाता, पुडुचेरी और श्रीलंका का प्रवेश द्वार बनने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि अधिक जहाज विभिन्न गंतव्यों को जोड़ेंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कार्य योजना क्या है; और

(ख) क्या आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्य निर्यात-आयात व्यापार, मछली पकड़ने के पत्तन, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण, जहाज निर्माण और मरम्मत, पुनर्चक्रन उद्योग, समुद्री पर्यटन और अंतर्राष्ट्रीय क्रूज यात्री परिवहन के लिए प्रमुख केंद्र बन गए हैं और ये राज्य देश को वैश्विक समुद्री केंद्र में बदलने के देश के महान मिशन में प्रमुख भागीदार और आदर्श राज्य बने रहेंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितना निवेश किया गया है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): वर्ष 2025-26 (30 नवंबर, 2025 तक) में चेन्नै पत्तन ने 16 क्रुज़ पोत के आगमन को हैंडल किया है, जिनमें 13 घरेलू और 3 अंतर्राष्ट्रीय क्रुज़ काल्स शामिल हैं। निम्नलिखित सर्किटों पर भी क्रूज़ हैंडल किए गए हैं:

- चेन्नै- विशाखापट्टणम- पुदुचेरी- चेन्नै,
- चेन्नै- हम्बनटोटा- त्रिंकोमली- कंकेसंतुराई-चेन्नै,
- चेन्नै-फुकेत-लैंगकावी-कुआलालमपुर-सिंगापुर-कुआलालमपुर - फुकेत-लैंगकावी – चेन्नै

क्रूज़ भारत मिशन चेन्नै को क्रूज़ केंद्र बनाने के लिए हितधारकों के साथ समन्वय कर रहा है।

(ख): प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) की प्रमुख योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशु पालन और डेयरी मंत्रालय राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों एवं कार्यान्वयन एजेंसियों को मत्स्यन बन्दरगाह, मत्स्य लैंडिंग केंद्र के निर्माण, मौजूदा मत्स्यन बंदरगाहों के आधुनिकीकरण/ उन्नयन और मौजूदा मत्स्यन बंदरगाहों के ड्रेजिंग का अनुरक्षण हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। विभिन्न केंद्रीय योजनाओं अर्थात नीली क्रांति, पीएमएमएसवाई और मत्स्यन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ) के अंतर्गत तटीय राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में 117 मत्स्यन बंदरगाह और मछली उतारने के केंद्रों को मंजूरी दी गई है, जिसमें आंध्र प्रदेश में 09 मत्स्यन बंदरगाह और 07 लैंडिंग केंद्र परियोजनाएं और तमिलनाडु में 11 मत्स्यन बंदरगाह और 26 लैंडिंग केंद्र परियोजनाएं शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 (नवंबर 2025 तक) में विशाखापट्टणम पत्तन, आंध्र प्रदेश में 10,707 यात्रियों के साथ क्रूज टर्मिनल चालू हैं, तथा चेन्नै पत्तन, तमिलनाडु में 41,047 यात्रियों के साथ क्रूज टर्मिनल चालू हैं।

*****